चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	03.04.2021	02	03-04

ग्रुप बना बेटियों को पढ़ाने और घरेलू हिंसा की रोकथाम पर किया अवेयर

एचएयू के स्टूडेंट्स ने 70 महिलाओं का बनाया ग्रुप

सिटी रिपोर्टर • एचएयू के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान कॉलेज के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने 70 महिलाओं का एक ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया।

डॉ. पूनम।

इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने गांवों की महिलाओं को शामिल किया है। इस ग्रुप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।

जागरूक करने के विषय

▪ संतुलित आहार ▪ पाक कला ▪ कोरोना से बचाव ▪ गर्भवती स्त्री की देखभाल ▪ बच्चों को स्तनपान ▪ बालिका शिक्षा का महत्व ▪ योग ▪ घरेलू हिंसा रोकने ▪ माहवारी और स्वच्छता ▪ स्तन कैंसर को लेकर अवेयर ▪ सौर ऊर्जा ▪ भ्रूण हत्या रोकने ▪ कानूनी अधिकार ▪ एनीमिया रोगी का आहार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	03.04.2021	03	03-08

एचएयू के होम साइंस कालेज की छात्राओं ने ग्रामीण महिला जागृति रखा ग्रुप का नाम

अनूठी पहल : ग्रामीण महिलाओं को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

हिसार, 2 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटसएप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डा. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है।

सहायक वैज्ञानिक डा. पूनम मलिक व विभाग की अध्यक्ष डा. शीला सांगवान का फाइल फोटो।

सहायक वैज्ञानिक डा. पूनम मलिक ने बताया कि यह सब छात्राओं के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल के चलते वे फिजिकली रूप से ऐसी गतिविधियां नहीं कर पाई, जिसके चलते विभाग द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि गत दिनों व्हाट्सएप के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विभाग में चल रही प्री.स्कूल लेबोरेट्री के बच्चों को भी व्हाट्सएप के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में सीखने की तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रुप में बच्चों व अभिभावकों के लिए संबंधित विडियो शेयर किए जाते हैं। नन्हें बच्चों के लिए ऑनलाइन डांस, कविता गायन तथा ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भी बढ़-चढकर हिस्सा लिया। नन्हें बालकों में दिव्यांगता का प्रबंधन विषय पर भी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग सैंकड़ों ग्रामीण महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को विशेषज्ञों द्वारा छोटे बच्चों में दिव्यांगता की जानकारी देते हुए दिव्यांग बालकों के लक्षण व पहचान और उनके लिए भोजन व उनके वस्त्र, उनकी शिक्षा, उनके वातावरण तथा उनके लिए विशेष सरकारी परियोजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

इस ग्रुप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।

बहुत ही सराहनीय कदम : कुलपति सिंह

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कोरोना महामारी के चलते समाज के बदलते परिवेश में अपनी खास भूमिका निभाई है। विभाग की ओर से समसामयिक मुद्दों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले इस प्रकार के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में भी ग्रामीण अंचल को ध्यान में रखकर ही ऐसी गतिविधियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

मैसेज के जरिए महिलाओं को शिक्षा : विभागाध्यक्ष

विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	03.04.2021	03	01

ग्रामीण महिलाओं को एचएयू के छात्र वाट्सएप के जरिये बना रहे दक्ष

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को वाट्सएप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम कर रहे हैं। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया। उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक विज्ञानी डा. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है। विभागाध्यक्ष डा. शीला ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो संदेश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	03.04.2021	03	01-02

'ग्रामीण महिलाओं को ऑनलाइन किया जागरूक'

हिसार, 2 अप्रैल (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है।

ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है। इस ग्रुप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	03.04.2021	03	07-08

व्हाट्सएप ग्रुप से महिलाओं में जागरूकता का प्रयास

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को जागरूक करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया है। ग्रामीण महिला जागृति नाम से बनाए गए इस व्हाट्सएप ग्रुप में छात्राओं ने आस-पास के गांवों की 70 महिलाओं को शामिल किया है। इस ग्रुप के माध्यम से ही महिलाओं को जागरूक किया जाएगा। विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए विविध प्रकार के संदेश रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, महिलाओं के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि वैसे तो यह सब पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल में व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये इसे क्रियान्वित किया जा रहा है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी (दिल्ली)	**03.04.2021**	--	--

ग्रामीण महिलाओं को व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटशअप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का गु्रप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोडक़र जागरूकता की अलख जगाई है। गु्रप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस गु्रप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढऩे वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस गु्रप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भू्रण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया। इस गु्रप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।

होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ग्रामीण महिला जागृति रखा ग्रुप का नाम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	03.04.2021	--	--

ग्रामीण महिलाओं को व्हाटशप ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ग्रामीण महिला जागृति रखा ग्रुप का नाम, पढ़ाई के साथ-साथ किया जागरूक

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटशअप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोडक़र जागरूकता की अलख जगाई है। गुरप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढऩे वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है।

ये रखे गए थे संदेश के विषय : विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस गुरप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भूरण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया।

इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया।

विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान व सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक का फाइल फोटो।

इन गांवों में चलाया अभियान : *इस ग्रुप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।*

दिव्यांग बालकों को लेकर भी दिए विशेष व्याख्यान

सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि यह सब छात्राओं के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल के चलते वे फिजिकली रूप से ऐसी गतिविधियां नहीं कर पाई, जिसके चलते विभाग द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि गत दिनों व्हाट्सएप के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विभाग में चल रही प्री.स्कूल लेबोरेट्री के बच्चों को भी व्हाट्सएप के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में सीखने की तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। गुरप में बच्चों व अभिभावकों के लिए संबंधित विडियो शेयर किए जाते हैं। नन्हें बच्चों के लिए ऑनलाइन डांस, कविता गायन तथा ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भी बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। नन्हें बालकों में दिव्यांगता का प्रबंधन विषय पर भी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग सैंकड़ों ग्रामीण महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को विशेषज्ञों द्वारा छोटे बच्चों में दिव्यांगता की जानकारी देते हुए दिव्यांग बालकों के लक्षण व पहचान और उनके लिए भोजन व उनके वस्त्र, उनकी शिक्षा, उनके वातावरण तथा उनके लिए विशेष सरकारी परियोजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बहुत ही सराहनीय कदम : प्रोफेसर समर सिंह : *विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कोरोना महामारी के चलते समाज के बदलते परिवेश में अपनी खास भूमिका निभाई है। विभाग की ओर से समसामयिक मुद्दों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले इस प्रकार के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में भी ग्रामीण अंचल को ध्यान में रखकर ही ऐसी गतिविधियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।*

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	**03.04.2021**	--	--

छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं को व्हाटशप ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटशअप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है।

विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया।

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ग्रामीण महिला जागृति रखा ग्रुप का नाम, पढ़ाई के साथ-साथ किया जागरूक

सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि यह सब छात्राओं के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल के चलते वे फिजिकली रूप से ऐसी गतिविधियां नहीं कर पाई, जिसके चलते विभाग द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि गत दिनों व्हाट्सएप के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	02.04.2021	--	--

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की छात्राओं ने ग्रामीण महिला जागृति रखा ग्रुप का नाम, पढ़ाई के साथ-साथ किया जागरूक

ग्रामीण महिलाओं को व्हाटशप ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटशअप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है।

ये रखे गए थे संदेश के विषय

विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया।

दिव्यांग बालकों को लेकर भी दिए विशेष व्याख्यान

सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि यह सब छात्राओं के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल के चलते वे फिजिकली रूप से ऐसी गतिविधियां नहीं कर पाई, जिसके चलते विभाग द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि गत दिनों व्हाट्सएप के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विभाग में चल रही प्री.स्कूल लेबोरेट्री के बच्चों को भी व्हाट्सएप के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में सीखने की तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रुप में बच्चों व अभिभावकों के लिए संबंधित विडियो शेयर किए जाते हैं। नन्हें बच्चों के लिए ऑनलाइन डांस, कविता गायन तथा ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नन्हें बालकों में दिव्यांगता का प्रबंधन विषय पर भी ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग सैंकड़ों ग्रामीण महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को विशेषज्ञों द्वारा छोटे बच्चों में दिव्यांगता की जानकारी देते हुए दिव्यांग बालकों के लक्षण व पहचान और उनके लिए भोजन व उनके वस्त्र, उनकी शिक्षा, उनके वातावरण तथा उनके लिए विशेष सरकारी परियोजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

इन गांवों में चलाया अभियान

इस ग्रुप में हिसार जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।

बहुत ही सराहनीय कदम : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय ने कोरोना महामारी के चलते समाज के बदलते परिवेश में अपनी खास भूमिका निभाई है। विभाग की ओर से समसामयिक मुद्दों को ध्यान में रखकर किए जाने वाले इस प्रकार के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं। इसके अलावा महाविद्यालय में भी ग्रामीण अंचल को ध्यान में रखकर ही ऐसी गतिविधियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**02.04.2021**	--	--

ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न ग्रुप के माध्यम से सिखाए जीने के गुर

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाटशअप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है।

विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**02.04.2021**	--	--

छात्राओं ने बनाया व्हाट्सएप ग्रुप, ग्रामीण महिलाओं को कर रही जागरूक

हिसार/01 अप्रैल/रिपोर्टर

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव संसाधन एवं पारिवारिक अध्ययन विभाग की छात्राओं ने पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर जागरूक करने का काम किया है। इसके लिए छात्राओं ने एक 70 महिलाओं का ग्रुप बनाया और उन्हें इस अभियान में जोड़कर जागरूकता की अलख जगाई है। ग्रुप का नाम ग्रामीण महिला जागृति रखा गया। इस ग्रुप को महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा के मार्गदर्शन में सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक की देखरेख में संचालित किया गया। इसमें महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने-अपने गांव व आस-पास के गांवों की महिलाओं को शामिल किया हुआ है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. शीला सांगवान ने बताया इस ग्रुप में महिलाओं को जागरूक करने के लिए जो सन्देश भेजे जाते, उनके विषय काफी विविध प्रकार के रखे गए। इनमें महिलाओं के लिए संतुलित आहार, पाक कला, कोरोना से बचाव, गर्भवती स्त्री की देखभाल, बच्चों को स्तनपान, बालिका शिक्षा का महत्व, योग, घरेलू हिंसा, माहवारी, स्तन कैंसर, सौर ऊर्जा, भ्रूण हत्या, स्त्रियों के कानूनी अधिकार, एनीमिया रोगी का आहार सहित अनेक विषयों को चुना गया। इस प्रकार लगभग 120 संदेशों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने का कार्य किया गया। विभाग द्वारा वीडियो के माध्यम से छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए घर पर ही उपलब्ध सामान से शिक्षण सामग्री बनाना भी सिखाया गया। सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि यह सब छात्राओं के पाठ्यक्रम का हिस्सा है, लेकिन कोरोना काल के चलते वे फिजिकली रूप से ऐसी गतिविधियां नहीं कर पाई, जिसके चलते विभाग द्वारा ऐसा कदम उठाया गया। उन्होंने बताया कि गत दिनों व्हाट्सएप के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा विभाग में चल रही प्री स्कूल लैबोरेट्री के बच्चों को भी व्हाट्सएप के माध्यम से शिक्षित किया जा रहा है। इसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल-खेल में सीखने की तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। ग्रुप में बच्चों व अभिभावकों के लिए संबंधित विडियो शेयर किए जाते हैं। नन्हें बच्चों के लिए ऑनलाईन डांस, कविता गायन तथा ड्राइंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने भी हिस्सा लिया। नन्हें बालकों में दिव्यांगता का प्रबंधन विषय पर भी ऑनलाईन कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें लगभग सैंकड़ों ग्रामीण महिलाओं व किशोरी बालिकाओं को विशेषज्ञों द्वारा छोटे बच्चों में दिव्यांगता की जानकारी देते हुए दिव्यांग बालकों के लक्षण व पहचान और उनके लिए भोजन व उनके वस्त्र, उनकी शिक्षा, उनके वातावरण तथा उनके लिए विशेष सरकारी परियोजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस ग्रुप में जिले के गांव सीसवाल, मंडी आदमपुर, कंवारी, घुड़साल, गंगवा, मंगाली, मुकलान, बड़ाला, फतेहाबाद जिले के किरढ़ान, भट्टू, बुआन, ढाणी सांचला, जींद जिले के दबलैन, कलां, भिवानी जिले के सिवाड़ा, कुंगड़, बवानी खेड़ा रोहतक जिले के जुलान और कैथल जिले के गांव शामिल हैं।